

गोवरधन पुं. (तत्.) दे. गोवर्धन।

गोवर्धन पुं. (तत्.) पर्वत का नाम, जिसे कृष्ण भगवान ने अपनी उंगली पर उठाया था 2. गौओं का पालन, रक्षण और वृद्धि करने का काम।

गोविंद पुं. (तत्.) 1. श्रीकृष्ण 2. वेदांत वेत्ता 3. तत्त्वज्ञ 4. बृहस्पति 5. शंकराचार्य के गुरु का नाम 6. सिक्खों के दसवें गुरु 7. परब्रह्म 8. गोशाला का मालिक।

गोविंदपद पुं. (तत्.) मोक्ष, निर्वाण।

गोविंदपाद/गोविंदाचार्य पुं. (तत्.) शंकराचार्य के गुरु।

गोवैद्य पुं. (तत्.) 1. नीम हकीम, अज्ञानी वैद्य 2. पशुओं की चिकित्सा करने वाला वैद्य।

गोश पुं. (फा.) सुनने की इंद्रिय, कान।

गोशा पुं. (फा.) 1. कोना, अंतराल, कोण 2. एका।

गोशत पुं. (फा.) माँस, आमिष।

गोष्ठी स्त्री. (तत्.) 1. बहुत से लोगों का समूह, सभा, मंडली 2. वार्तालाप, बातचीत 3. परामर्श, सलाह 4. एक ही अंक का वह रूपक या नाटक जिसमें पाँच या सात स्त्रियाँ और नौ या दस पुरुष हो।

गोष्पद पुं. (तत्.) गौओं के रहने का स्थान, गोष्ठ 2. गौ के खुर से बना गड्ढा।

गोस पुं. (तत्.) एक प्रकार का झाड़ जिसमें से गोंद निकलता है 2. प्रातःकाल से दो घड़ी पहले का समय 3. ग्रीष्म ऋतु 4. लोबान।

गोसा पुं. (तद्.) गोइँठा, उपला, कंडा।

गोसाईं पुं. (तद्.) गौओं का स्वामी 2. स्वर्ग का मालिक 3. संन्यासियों का एक संप्रदाय जिसके दस भेद होते हैं और जिसे दशनाम् भी कहते हैं 4. विरल साधु, अतीत 5. वह जिसने इंद्रियों को जीत लिया हो।

गोसी पुं. (देश.) समुद्र में चलने वाली एक प्रकार की नाव जिसमें 2 से लेकर 7 तक मस्तूल होते हैं।

गोसुत पुं. (तत्.) गौ का बच्चा, बछड़ा।

गोसूक्त पुं. (तत्.) अथर्ववेद का वह अंश जिसमें ब्रह्मांड की रचना का गौ के रूप में वर्णन किया गया हो, गोदान के समय इसका पाठ किया जाता है।

गोस्तन पुं. (तत्.) 1. गाय का थन 2. कली आदि का गुच्छ 3. चार लड़ी का मोती का हार 4. एक प्रकार का दुर्ग।

गोस्वामी पुं. (तत्.) 1. वह जिसने इंद्रियों को वश में कर लिया हो, जितेंद्रिय 2. वैष्णव संप्रदाय में आचार्यों के वंशधर या उनकी गद्दी के अधिकार 3. गायों को पालने वाला व्यक्ति, गोपालक।

गोह स्त्री. (तद्.) छिपकली की जाति का एक जंगली जंतु जो आकार में नेवले से कुछ बड़ा होता है, यह दो प्रकार की होती है- चंदन गोह और पटरा गोह जो बड़ी और चपटी होती है टि. चंदन गोह की दीवार पर पकड़ बहुत मजबूत होती है, चंदन गोह का प्रयोग रस्सी बाँधकर दीवार पर फेंक ऊपर चढ़ने में करते हैं।

गोहत्या स्त्री. (तत्.) गोवध।

गोहन पुं. (तद्.) 1. संग रहनेवाला, साथी जैसे- गोहन लगुआ-दूसरा पति करनेवाली स्त्री के साथ जानेवाला पूर्व पति से उत्पन्न लड़का।

गोहर स्त्री. (तद्.) बिसखोप नामक विषैला जंतु।

गोहरा स्त्री. (तद्.) सुखाया हुआ गोबर जो जलाने के काम आता है, उपला, कंडा।

गोहराना पुं. (देश.) पुकारना, बुलाना।

गोहरौर पुं. (देश.) पाथ कर रखे हुए कंडों का ढेर।

गोहलोट पुं. (तत्.) क्षत्रियों की एक जाति।

गोहार स्त्री. (तत्.) 1. पुकार, दुहाई, रक्षा के लिए चिल्लाना मुहा. गोहार मारना- सहायता के लिए पुकार मचाना; गोहार लड़ना-सबको ललकारना 2. एक आदमी का कई आदमियों से लड़ना।

गोहिर पुं. (तत्.) एंडी।